

PAPER-II DOGRI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

D 3314

Time : 1 ¼ hours]

[Maximum Marks : 100

Number of Pages in this Booklet : 12

Number of Questions in this Booklet : 50

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of fifty multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - (iii) After this verification is over, the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (A), (B), (C) and (D). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : (A) (B) (C) (D)
where (C) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Paper I Booklet only**. If you mark at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the test question booklet and Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. Use only Blue/Black Ball point pen.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

OMR Sheet No. :
(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचास बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - (iii) इस जाँच के बाद OMR पत्रक की क्रम संख्या इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (A), (B), (C) तथा (D) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है ।
उदाहरण : (A) (B) (C) (D)
जबकि (C) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पत्र I के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नानंकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर प्रश्न-पुस्तिका एवं मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्त के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. केवल नीले/काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



DOGRI
डोगरी
Paper – II
प्रश्नपत्रिका – II

Note : This paper contains **fifty (50)** objective type questions, each question carrying **two (2)** marks. Attempt **all** the questions.

नोट : इस पेपर च **पंजाह (50)** मते विकल्पी सुआल न । हर सुआलै दे **दो (2)** नंबर न । **सभनें** सुआलें दे परते देओ ।

1. शिक्षाग्रंथ –

- (अ) उच्चारण दा ढंग-तरीका दस्सने आहले ग्रंथ न ।
(ब) वेदमंत्रें दा अर्थ दस्सने आहले ग्रंथ न ।
(स) डॉ. सिद्धेश्वर वर्मा होरें 65 शिक्षाग्रंथें दा उल्लेख कीते दा ऐ ।
(द) शिक्षाग्रंथ प्रातिशाख्यें दा गै विस्तृत ते विश्लेशत रूप न ।
(A) (अ) ते (स) ठीक न ।
(B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(D) (अ) ते (द) ठीक न ।

2. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) मुंडा उपपरिवार (i) आस्ट्रो एशियाटिक परिवार
(ब) फार्मोसन (ii) मलय-पॉलिनेशियन
(स) स्वैन (iii) काकेशियन
(द) इटैलियन (iv) भारोपीय भाशा परिवार

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (i) (ii) (iii) (iv)
(B) (ii) (iii) (iv) (i)
(C) (iv) (i) (ii) (iii)
(D) (iii) (iv) (i) (ii)

3. काल-क्रम दे स्हाबें इं'नें विद्वानें दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) अरस्तू, प्लेटो, सुकरात, दिसकोलुस (B) सुकरात, प्लेटो, अरस्तू, दिसकोलुस
(C) सुकरात, दिसकोलुस, प्लेटो, अरस्तू (D) प्लेटो, सुकरात, दिसकोलुस, अरस्तू

4. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

- A** र् दा उच्चारण करदे बेल्लै जीहब उढकिये मूर्धा गी छूंहदी ऐ ।
R र् मूर्धन्य ध्वनि ऐ, की जे इसदा उच्चारण जीहबै दी अगली नुक्करै ते मूर्धा दे सैहयोग कन्नै होंदा ऐ ।
(A) A गल्ल ऐ ते R ठीक ऐ ।
(B) A ते R दोऐ ठीक न ।
(C) A आंशिक तौरा पर ठीक ऐ ते R पूरा ठीक ऐ ।
(D) R गल्ल ऐ ते A ठीक ऐ ।

5. फारसी दे 'नशर' शब्द दी डोगरी च अर्थ परिवर्तन दी दिशा ऐ :
- (A) अर्थ-विस्तार (B) अर्थ-संकोच
(C) अर्थादेश (D) अर्थापकर्ष
6. डोगरी च लिंग – रूपायन :
- (अ) नेई होंदा ।
(ब) दे बक्ख-बक्ख सिद्धांत न ।
(स) आकारांत पुलिंग नामपदें दे खीरले स्वर गी 'आई' आदेश करियै स्त्रीलिंग रूप बनदा ऐ ।
(द) आई अंत आह्ले पुलिंग शब्दें गी-ऐन अंत करियै स्त्रीलिंग रूप बनदा ऐ ।
- (A) (ब) ते (द) ठीक न । (B) (अ) ते (ब) ठीक न ।
(C) (ब) ते (स) ठीक न । (D) (अ) ते (द) ठीक न ।
7. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्ने सहेई मिलान करो :
- | चंदी-1 | चंदी-2 |
|-----------------|--------------------|
| (अ) झूठा | (i) संज्ञा |
| (ब) अपनापन | (ii) विशेषण |
| (स) भुल्लना | (iii) क्रियाविशेषण |
| (द) टुरदै-टुरदै | (iv) क्रिया |
- कोड :
- | | | | |
|-----------|------|-------|-------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (ii) | (iv) | (iii) | (i) |
| (B) (i) | (ii) | (iv) | (iii) |
| (C) (ii) | (i) | (iv) | (iii) |
| (D) (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
8. थाहर, दिशा, रीति ते काल अर्थें दे क्रम दे सहाबें इं'ने क्रियाविशेषणें दा सहेई क्रम ऐ :
- (A) अंदरें, इद्धरें, झूटें, चिरें (B) इद्धरें, झूटें, चिरें, अंदरें
(C) अंदरें, चिरें, झूटें, इद्धरें (D) इद्धरें, अंदरें, चिरें, झूटें
9. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयार्थक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
- A** मी, तुई, उसी डोगरी दे पुरशवाचक सर्वनामों दे कर्म कारकी रूप न ।
R जिसी, उसी, कुसी बी प्राणिवाचक सर्वनाम न इसलेई इं'बी पुरशवाचक सर्वनामों दे कर्म-कारकी रूप न ।
- (A) A सहेई ऐ ते R आंशिक तौरा उप्पर ठीक ऐ ।
(B) R सहेई ऐ ते A आंशिक तौरा उप्पर ठीक ऐ ।
(C) A पूरा सहेई ऐ ते R गलत ऐ ।
(D) A ते R दोऐ आंशिक तौरा पर ठीक न ।
10. इं'दे च भाववाचक संज्ञा ऐ :
- (A) खतोला (B) भखौला
(C) मौला (D) मोहरा

11. किल्लिया बतना छुडी दिता' कविता –
- (अ) कवि दी दूरादेशी, पैनी नज़र ते गूढ तजरबे दी तर्जमानी करदी ऐ ।
 (ब) समकाली समाज दा प्रतिनिधित्व करदी ऐ ।
 (स) दे कवि लक्खू होर न ।
 (द) धरेलू ते समाजी जीवन दा चित्रण करदी ऐ ।
- (A) (अ) (स) (द) ठीक न । (B) (अ) (ब) (द) ठीक न ।
 (C) (अ) (ब) (स) ठीक न । (D) (ब) (स) (द) ठीक न ।
12. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :
- | | |
|-------------------|--------------------------|
| चंदी-1 | चंदी-2 |
| (अ) लम्मी कविता | (i) भांदे बोल गांदे बोल |
| (ब) चमुखा-संग्रैह | (ii) आस |
| (स) गीत-संग्रैह | (iii) परतां |
| (द) गज़ल-संग्रैह | (iv) कित्तर-कित्तर कालजा |
- कोड :**
- (अ) (ब) (स) (द)
 (A) (iv) (iii) (ii) (i)
 (B) (ii) (iv) (i) (iii)
 (C) (iii) (iv) (ii) (i)
 (D) (ii) (iii) (i) (iv)
13. केहसिंह मधुकर, अश्विनी मगोत्रा, पद्मा सचदेव ते गोगाराम साथी कवियें दे क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ती गेदी पुस्तकें दा स्हेई क्रम ऐ –
- (i) पोटा-पोटा निम्बल (ii) लैहरां
 (iii) दिक्खने आहली अक्ख नेई (iv) डोला कु'न ठप्पेआ
- कोड :**
- (A) (i) (ii) (ii) (iv)
 (B) (iv) (ii) (i) (iii)
 (C) (ii) (iii) (i) (iv)
 (D) (i) (iv) (iii) (ii)
14. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी 'असर्शन' (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ गेआ ऐ ते दुए गी 'रीज़न' (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :
- (A) कवि दे भाव जां ओहदी सोच आम लोकें कोला बक्खरी होंदी ऐ ।
 (R) कवि दी डोआरी चन्न-तारे ते सूरज कशा बी पारें दी ऐ । इक कवि गै चन्नै गी पीला ढोडा गलाई सकदा ऐ ।
- (A) A कथन स्हेई ऐ ते R उसदा कारण गल्ल ऐ ।
 (B) A कथन स्हेई ऐ ते R उसदा कारण स्हेई व्याख्या करा दा ऐ ।
 (C) A कथन गल्ल ऐ ते R उसदा कारण स्हेई ऐ ।
 (D) A कथन गल्ल ऐ ते R उसदा कारण आंशिक रूपे च स्हेई ऐ ।
15. "जोवन ओह जि'यां धुप्प ही, ढलदी चली गई,
 सूरत ओह जि'यां बर्फ ही घलदी चली गई ।" शेडर दे शायर न –
- (A) वेदपाल दीप (B) किशन स्मैलपुरी
 (C) रामलाल शर्मा (D) रामनाथ शास्त्री

16. उपन्यास दे लेखक च

- (अ) प्रतिभा दा गुण होना जरूरी ऐ ।
(ब) राजनीतिवान होने दा गुण होना जरूरी ऐ ।
(स) लोक-ब्यहार दे ज्ञान दा गुण जरूरी ऐ ।
(द) संवेदनशीलता दा गुण होऐ तां बी ठीक नेई होऐ तां बी ठीक ऐ ।
(A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न । (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।
(C) (अ) ते (द) ठीक न । (D) (अ) ते (स) ठीक न ।

17. पैहली चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये दा दूई चंदी च दित्ती दिये प्रविश्टिये कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) गास ओपरा धरत बगान्नी (i) देशबंधु डोगरा 'नूतन'
(ब) उन्नी सौ संताली (ii) ओम गोस्वामी
(स) सन् 1947 (iii) पीतांबरनाथ शर्मा
(द) भगाली (iv) दर्शन 'दर्शी'

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (iv) (i) (ii) (iii)
(B) (iii) (ii) (i) (iv)
(C) (iv) (ii) (i) (iii)
(D) (i) (ii) (iii) (iv)

18. प्रकाशन काल-क्रम दे स्हाबे इ'ने कहानी संग्रहे दा स्हेई क्रम ऐ :

- (A) न्हेरी रात सनेहरे ध्याड़े, हैलो माया, कमलो, बन्ना
(B) कमलो, बन्ना, हैलो माया, न्हेरी रात सनेहरे ध्याड़े
(C) बन्ना, हैलो माया, कमलो, न्हेरी रात सनेहरे ध्याड़े
(D) कमलो, न्हेरी रात सनेहरे ध्याड़े, हैलो माया, बन्ना

19. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गोआ ऐ :

- A साहित्य शास्त्रिये दा गलाना ऐ जे कहानी दा क्लेवर इन्ना होना चाहिदा जिसी पाठक इक्के सिटिंग (sitting) च पढ़ी सके ।
R कहानी की जे जीवन दे कुसै इक पक्ख, पैहलू जां घटना बगैरा जिन्ने विशे पर अधारत होंदी ऐ इसकरी एह्दे च मते विस्तार दी गुंजायश नेई होंदी ।
(A) A कथन बिल्कुल स्हेई ऐ ते R कारण स्हेई नेई ।
(B) R कारण A कथन दी स्हेई व्याख्या ऐ ।
(C) R कारण कुसै हद्दा तगर A कथन दी पुश्टी करदा ऐ ।
(D) A कथन पूरी चाल्ली स्हेई नेई ते नां गै R कारण ।

20. इ'दे महिला लेखक दा कहानी-संग्रह ऐ :

- (A) थ'म्म ते कलावा (B) खुशी दे अत्यरूं
(C) अतीत दे परशामे (D) लोक गै लोक

21. साहित्य अकादेमी पासेआ पुरस्कृत निबंध संग्रह न –

(अ) चेतें दियां ग'लियां

(ब) त्रिप-त्रिप चेतें

(स) चेतें किश खट्टे-किश मिट्टे

(द) चेतें दी चित्तकबरी

(A) (अ) (ब) (स) ठीक न ।

(B) (ब) (स) (द) ठीक न ।

(C) (अ) (ब) (द) ठीक न ।

(D) (अ) (स) (द) ठीक न ।

22. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविष्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

(अ) मिहसदियां लीकरां

(i) प्रो. लक्ष्मी नारायण

(ब) चल मना देआ मौजिया

(ii) प्रो. शक्ति शर्मा

(स) अत्थरुं ते हासे

(iii) प्रो. रामनाथ शास्त्री

(द) टरकारु नंद

(iv) प्रो. नीलाम्बर देव शर्मा

कोड :

(अ) (ब) (स) (द)

(A) (ii) (iv) (i) (iii)

(B) (iii) (ii) (i) (iv)

(C) (ii) (iii) (i) (iv)

(D) (iv) (i) (iii) (ii)

23. मनोविज्ञानक निबंध, व्यंगात्मक निबंध, संस्मरण ते रेखाचित्र क्रम दे स्हाबें हेठ दित्ते गेदे निबंधें दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(i) चन्नु

(ii) सुखने

(iii) छडें दा कोटा

(iv) चेतें

(A) (i) (iii) (iv) (ii)

(B) (ii) (iii) (iv) (i)

(C) (iv) (ii) (iii) (i)

(D) (iii) (ii) (iv) (i)

24. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी 'असर्शन' (A) यानि निश्चयात्मक कथन आखेआ गेआ ऐ ते दुए गी 'रीज़न'

(R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ :

(A) जीवनी आह्ला लेखा आत्मकथा बी गद्य दी इक प्रमुख विधा ऐ । जीवनी दा लेखक कोई दआ आदमी होंदा ऐ पर आत्मकथा लेखक आपूं लिखदा ऐ ।

(R) जीवनीकार दी बनिस्वत आत्मकथा दा लेखक अपने बारे च मता जानदा ऐ । इस आस्तै ओह अपने गुण-दोश सब किश खोहल्लियै लिखदा ऐ ।

(A) A कथन गलत ऐ ।

(B) R कथन गलत ऐ ।

(C) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(D) R कथन A कथन दा विस्तार ऐ, कारण नेई ।

25. “निबंध उस गद्य रचना गी आखदे न जित्थे सीमित अकार दे तैह्त्त कुसै खास विशे दा वर्णन, अपनेपन, स्वछंदता, सौष्ठवता, सम्बद्धता ते संगति कन्नै कीता गेदा होऐ ।”

इसदे परिभाशाकार न –

- (A) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (B) हजारीप्रसाद द्विवेदी
(C) बावू गुलाब राय (D) चंचल शर्मा

26. सात्त्विक अभिनय दा सरबंध :

- (अ) शरीरी ते मंच दी साज-सज्जा कन्नै ऐ ।
(ब) भावें कन्नै ऐ ।
(स) अवस्थाए दे अनुकरण कन्नै ऐ ।
(द) सात्त्विक घटनाएं दे मंचन कन्नै ऐ ।
(A) (अ) ते (द) ठीक न । (B) (ब) ते (स) ठीक न ।
(C) (अ) ते (स) ठीक न । (D) (ब) ते (द) ठीक न ।

27. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- (अ) बिसियर (i) मोहन सिंह
(ब) रंग बक्खरे-बक्खरे (ii) ओम गोस्वामी
(स) कि'यां मुक्कग कु'न मकाग (iii) सुतीक्ष्ण कुमार आनंदम्
(द) समें ओ समें (iv) नरसिंह देव जम्वाल

कोड :

- (अ) (ब) (स) (द)
(A) (iv) (ii) (iii) (i)
(B) (iv) (i) (ii) (iii)
(C) (iii) (iv) (i) (ii)
(D) (iv) (ii) (i) (iii)

28. नाट्यशास्त्र अनुसार नाटक दियें शैलियें (वृत्तियें) दा स्हेई क्रमऐ :

- (A) सात्त्वती, भारती, आरभटी, कैशिकी (B) सात्त्वती, कैशिकी, आरभटी, भारती
(C) कैशिकी, सात्त्वती, आरभटी, भारती (D) भारती, सात्त्वती, कैशिकी, आरभटी

29. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेआ ऐ ।

A अभिनय नाटक दा प्रमुख अंग ऐ, रेडियो नाटकें च बी अभिनय ज़रूरी तत्त्व ऐ ।

R अभिनय दी खूबी कारण गे संवादें दी विधा गी नाटक गलाया गेआ ऐ ते रेडियो नाटकें च वाचिक अभिनय गे हर चाल्ली दे अभिनय दी भूमिका नभांदा ऐ ।

- (A) A कथन स्हेई ऐ पर R कारण स्हेई नेई ।
(B) R कारण इकदम A कथन दी पुश्टी करा करदा ऐ ।
(C) A अपने थाहरा पर ठीक ऐ ते R अपने थाहरा पर ।
(D) A कथन स्हेई ऐ ते R उसदा आंशिक कारण ऐ ।

30. 'बावा जित्तमल' नाटक लिखे दा ऐ :

- (A) रामनाथ शास्त्री होरें (B) डी.सी. प्रशांत होरें
(C) विश्वनाथ खजूरिया होरें (D) ज्ञानसिंह होरें

31. “आधुनिक डोगरी साहित्य इक परिचय” – पुस्तक

(अ) सन् 1965 च प्रकाशत होई ।

(ब) मूल रूप च अंग्रेजी च लिखी गेदी ऐ ।

(स) मूल रूप च हिंदी च लिखी गेदी ऐ ।

(द) दे लेखक प्रो. नीलाम्बर देव शर्मा न ।

(A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न ।

(B) (ब), (स) ते (द) ठीक न ।

(C) (अ) ते (स) ठीक न ।

(D) (ब) ते (द) ठीक न ।

32. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

(अ) डोगरी काव्य-चर्चा

(i) शिवनाथ

(ब) डोगरी साहित्य दा इतिहास

(ii) चम्पा शर्मा

(स) डोगरी साहित्य चर्चा

(iii) ओम गोस्वामी

(द) परख ते पडताल

(iv) लक्ष्मी नारायण

कोड :

(अ) (ब) (स) (द)

(A) (ii) (i) (iv) (iii)

(B) (i) (ii) (iii) (iv)

(C) (iv) (i) (ii) (iii)

(D) (iii) (iv) (ii) (i)

33. अलंकार, वक्रोक्ति, रीति ते रस – इ’नें भारती सिद्धांतें दे उत्पत्ति-काल दे स्हाबें इ’दा स्हेई क्रम बनदा ऐ :

(A) रस, अलंकार, वक्रोक्ति ते रीति ।

(B) अलंकार, वक्रोक्ति, रस ते रीति ।

(C) रस, अलंकार, रीति ते वक्रोक्ति ।

(D) अलंकार, रस, रीति ते वक्रोक्ति ।

34. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि कारण आखेआ गेदा ऐ :

A ‘प्रतीकवाद’ दा जनम यथार्थवाद ते पारनेशनिज़्म दे विरोध च होआ ।

R ‘प्रतीकवाद’ ने दर्शन दे खेतरा च बी खरा प्रभाव बनाया ।

(A) R कथन गलत ऐ ।

(B) R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।

(C) दोऐ कथन इक दुए दे विरोधी न ।

(D) R कथन A कथन दा विस्तार ऐ ।

35. रात ओंदी ऐ जि’यां तेरे बाल करी दिंदे न छां,
तेरे ओठें साहीं ऐ बडले दी लाली केहू करां ?

(A) विपरीतोपमा दा उदाहरण नेई ऐ ।

(B) प्रतीप अलंकार दा उदाहरण ऐ ।

(C) व्यतिरेक अलंकार दा उदाहरण ऐ ।

(D) अनन्वय अलंकार दा उदाहरण ऐ ।

36. लोक साहित्य –

(अ) लौहकें-बड्डें दा मन परचांदा ऐ ।

(ब) संस्कारें च आस्था पक्की करदा ऐ ।

(स) गल्ल कह्य करने दा सलीका सखालदा ऐ ।

(द) साहित्य च बाद्धा करदा ऐ ।

(A) (अ), (स) ते (द) ठीक न ।

(B) (अ), (ब) ते (स) ठीक न ।

(C) (ब) ते (द) ठीक न ।

(D) (अ) ते (स) ठीक न ।

37. पैहली चंदी च दित्ती दिवें प्रविश्टियें दा दूर्ई चंदी च दित्ती दिवें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|---|-----------------|
| (अ) मा जम्मी नेई पुत्तर कोठे उप्पर | (i) रितुपरक गीत |
| (ब) जेह्दे पैर निं फुट्टी ब्याई ओह् केह् जान्ने पीड़ पराई । | (ii) भगती गीत |
| (स) ऐंजली | (iii) फलौहनी |
| (द) ढोलरू | (iv) खुआन |

कोड :

- | | | | |
|-----------|-------|-------|-------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (B) (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (C) (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (D) (iv) | (ii) | (i) | (iii) |

38. संस्कार-संपादन दे स्हाबें इ'ने संस्कारें दा स्हेई क्रमए :

- | | |
|---------------------------------|---------------------------------|
| (A) सूतरा, जनेऊ, मुन्नन, टुआं । | (B) मुन्नन, जनेऊ, टुआं, सूतरा । |
| (C) टुआं, सूतरा, मुन्नन, जनेऊ । | (D) जनेऊ, मुन्नन, टुआं, सूतरा । |

39. हेठ दित्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न, इक गी एसर्शन (A) यानि 'निश्चयात्मक कथन' ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ जंदा ऐ :

- A** जिस डोगरी नाच गी गुग्गेआ-नौमी आह्लै दिन सुरगल दे थान्ने पर नच्चेआ जंदा ऐ, उसदा नांऽ 'फुम्मनी नाच' ऐ ।
- R** इस नाचै दा सरबंध धार्मक प्रस्तुति कन्नै होने करी नर्तक सादे लबासै च मद्धम-मद्धम चाल कन्नै नचदे बावे थान्ने पाससै जंदे न ।
- | | |
|--------------------------|----------------------------|
| (A) A ते R दवें गलत न । | (B) A ते R दवें ठीक न । |
| (C) A स्हेई ऐ ते R गलत । | (D) A आंशिक तौर पर ठीक ऐ । |

40. ठूठै पानी पलेआना मुहावरे दा अर्थ ऐ :

- | | |
|-------------------------------------|---|
| (A) मिट्टी दे भांडे च पानी पलेआना । | (B) बड़ा मता अपमानत करना । |
| (C) पानी गर्म नेई होन देना । | (D) पानी पले आइयै भांडे गी भन्नी देना । |

41. अनुवाद दी म्हत्ता :

- (अ) समाजिक ते सांस्कृतिक सरबंध स्थापत करने च ऐ ।
- (ब) भाशा-बशेश दे साहित्य च बाद्धा करने च ऐ ।
- (स) राष्ट्री अन्तर्राष्ट्री स्तर पर आपसी मेल-मलाप पैदा करनो च ऐ
- (द) इक भाशा-भाशी गी दुए भाशा-भाशी दे सांस्कृतिक परिवेश कन्नै अपरिचित रक्खने च ऐ ।
- | | |
|-----------------------------|-----------------------------|
| (A) (अ), (ब) ते (द) ठीक न । | (B) (ब), (स) ते (द) ठीक न । |
| (C) (अ), (ब) ते (स) ठीक न । | (D) (अ) ते (द) ठीक न । |

42. पैहली चंदी च दिक्ती दिवें प्रविश्टियें दा दूर्ई चंदी च दिक्ती दिवें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|-----------------------------------|----------------------------|
| (अ) पिता दे पत्तर, पुत्री दे नांऽ | (i) प्रो. मदनमोहन शर्मा |
| (ब) मेरियां युनिवर्सटियां | (ii) प्रो. रामनाथ शास्त्री |
| (स) डुआरी कबूतरें दी | (iii) प्रो. वीणा गुप्ता |
| (द) बुड्ढा आदमी ते समुन्दर | (iv) प्रो. चम्पा शर्मा |

कोड :

- | | | | | |
|-----|-------|-------|-------|------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) | |
| (A) | (ii) | (iii) | (iv) | (i) |
| (B) | (iii) | (ii) | (i) | (iv) |
| (C) | (iii) | (iv) | (ii) | (i) |
| (D) | (iv) | (i) | (iii) | (ii) |

43. प्रकाशन क्रम दे स्हाबें डोगरी च अनूदित इ'नें कताबें दा स्हेई क्रम ऐ :

- | | |
|---|---|
| (A) गीतांजलि, मेघदूत, लल्लबाख, देशोपदेश | (B) मेघदूत, गीतांजलि, देशोपदेश, लल्लबाख |
| (C) लल्लबाख, मेघदूत, गीतांजलि, देशोपदेश | (D) देशोपदेश, लल्लबाख, मेघदूत, गीतांजलि |

44. हेठ दिक्ते गेदे दो स्टेटमेंट (कथन) न । इक गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेदा ऐ :

- A** रबिन्द्रनाथ टैगोर हुंदे डाकघर, मालिनी ते विसर्जन (डोगरी च बलिदान) नाटकें डोगरी च अनूदित होने पर क्या चिर पाठ्य पुस्तकें दी भूमिका नभाई ।
- R** डोगरी साहित्य उसलै अपनी बालड़ी बरेसा च हा । तिलक, प्रवीण ते शिरोमणि दे कोर्स च पढ़ाने आस्तै डोगरी दे मौलिक नाटकें दी बड़ी थोड़ ही ।
- (A) A आंशिक रूप च स्हेई ऐ ।
- (B) R दा कथन स्हेई नेई ऐ
- (C) R कथन A दे कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
- (D) R पूरी चाल्ली स्हेई नेई ऐ की जे मौलिक नाटकें दी कमी कारण गै रबिन्द-नाटक कोर्स च नेई हे रक्खे गे ।

45. कविता दे कथ्य ते भाशा दे बिच्च फल ते ओहदे सिक्कड़ें आह्ला सरबंध होंदा ऐ मत ऐ

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (A) सैम्युल जॉनसन दा | (B) जवाहरलाल नेहरू दा |
| (C) वाल्टर बेंजामिन दा | (D) प्लेटो दा |

46. अरस्तू ने संचार प्रक्रिया च जि'नें तत्त्वे जां चरणें गी मुख्क मन्ने दा ऐ, ओहन

- (अ) आगू
- (ब) वक्ता
- (स) सूचना-सनेहा
- (द) श्रोता
- | | |
|-----------------------------|------------------------|
| (A) (अ), (ब) ते (स) ठीक न । | (B) (अ) ते (स) ठीक न । |
| (C) (ब), (स) ते (द) ठीक न । | (D) (ब) ते (द) ठीक न । |

47. पैहली चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें दा दूई चंदी च दित्ती दियें प्रविश्टियें कन्नै स्हेई मिलान करो :

चंदी-1

चंदी-2

- | | |
|----------------------------------|-----------------|
| (अ) रेडियो प्रसारण प्रक्रिया | (i) ट्यूनर |
| (ब) रेडियो स्टेशन चुनने च मददगार | (ii) एनटिना |
| (स) रेडियो तरंगा | (iii) इक तरफा |
| (द) ध्वनि तरंगा | (iv) ऐंप्लीफायर |

कोड :

- | | | | |
|-----------|-------|-------|------|
| (अ) | (ब) | (स) | (द) |
| (A) (iii) | (i) | (ii) | (iv) |
| (B) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |
| (C) (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (D) (ii) | (iii) | (i) | (iv) |

48. मीडिया कन्नै सरबंधत हेठ दित्ते दे माध्यमें ते उपकरणें बगैरा दा इ'दे शुरू होने ते बनने दे समें मताबक स्हेई क्रम बनदा ऐ :

- (i) पैहला रेडियो स्टेशन
- (ii) पैहली अखबार
- (iii) ट्रांजिस्टर दा अविशकार
- (iv) टेलीविज़न प्रसारण केंदर, दिल्ली

कोड :

- | | | | |
|-----------|-------|-------|------|
| (A) (i) | (iii) | (ii) | (iv) |
| (B) (ii) | (i) | (iii) | (iv) |
| (C) (iii) | (i) | (ii) | (iv) |
| (D) (i) | (ii) | (iii) | (iv) |

49. हेठ दो कथन दित्ते गेदे न । इक कथन गी एसर्शन (A) यानि निश्चयात्मक कथन ते दुए गी रीज़न (R) यानि 'कारण' आखेआ गेदा ऐ :

A रेडियो जनसंचार दा श्रव्य माध्यम ऐ ।

R इस च शब्द ते अवाज दा गै म्हत्तव होंदा ऐ । इसदी कम्म-प्रणाली अवाज राहें सम्पन्न होंदी ऐ ।

- (A) दोऐ कथन ठीक न ते R कथन A कथन दा स्हेई कारण ऐ ।
- (B) दोऐ कथन ठीक न पर R कथन A कथन दा कारण नेई ऐ ।
- (C) R कथन गलत ऐ ।
- (D) R कथन आंशिक तौरा पर स्हेई ऐ ।

50. सभनें शा पैहलें सन् 1927 च टेलीविज़न कार्यक्रम तार राहें प्रसारत कीता गेआ हा –

- | | |
|-------------------------------------|------------------------------------|
| (A) न्यूयार्क ते शिकागो बश्कार । | (B) न्यूयार्क ते लंदन बश्कार । |
| (C) न्यूयार्क ते न्यूजर्सी बश्कार । | (D) न्यूयार्क ते वाशिंगटन बश्कार । |